राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 11 स्रक्तूबर, 1985

क्रमांक 1088-ज-(2)-85/30994.- -पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रश्चिनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है ग्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए), (1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रिविकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती श्योबाई, विद्यवा श्री ग्रमर सिंह, गांव कोसली, तहसील झज्जर, जिला रोहतक को खरीफ 1965 से 100 रुपये वार्षिक, खरीफ 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रिवी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 10 92-ज-(1) -85/30 998.—-पूबी पंजाब युद्ध पुरस्कार विश्विष्टितियम, 1948 हैं (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संक्षांधन किया गया है) की धारा 2(ए) (ए) तथा 3(ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुई हिरियाणा के राज्यपाल, श्री कृष्ण गुजराल, पुत्र श्री रासलाल गुजराल 227 माडल टाऊन यमुनानगर, जिला अम्बाला को रबी 1974 से खरीफ 1979 तक 150 रूपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक की मत की गूद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

ऋमांक 1149-ज-(2)-85/310) 2. --पूत्रों पंतात पुद्ध पुरस्कार ग्राधितिस्त 1943 (जैता कि उसे हरियाणा राज्य में ग्राप्ताया गया है ग्रीर उस मैं ग्राप्त तक संशोधन किया गया है) को धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के ग्राप्तार सौंपे गए ग्राधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रा महिन्द्र सिंह, पुत्र श्री कुन्डा सिंह, गांक ग्रीहा, तहसील डब्वाली जिला सिरसा को रबी, 1976 से खरीफ 1979 तक 150 हमये वार्षिक तथा रबी ११ १९८० से 300 हमये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के ग्राप्तार सहषे प्रदान करते है।

दिनांक 15 ग्रक्तूंबर, 1985

कमांक 1037-3-(2)-85/31181.--प्रो गगेगो, पुत्र श्रो ज्ञानी राम, गांव विदेशा, तहसील विजिला रोहतक की दिनांक 20 मई, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रयानाया गया है और उसमें प्राज तक संगोधन किया प्रया है) की धारा 4 एवं <math>2(0)(10) तथा 3(10) के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने हुए श्री गगेंगो की मुब्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की प्रधिसूचना क्रमांक 2179-प्रार-(IV)-67/1906, दिनांक 8 जून, 1967, 5041-प्रार-111-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज-(1)-79/44040, दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, प्रब उसकी विधवा श्रीमती सुखमा देवी के नाम खरीफी, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के प्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 16 अन्तूबर, 1985

कमांक 1043-ज-(2)-85/31305. —श्री तारा चन्द, पुत श्री विद्यमी राम, गांव भराण, तहसील महम, जिला रोहतक की दिनांक 23 अप्रैल, 1983 को हुई मृत्यु के पिरणामस्त्र एक, हिरयाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरयाणा राज्य में अग्नाया गया है और उत्तमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1)(ए) के अधीन प्रदान की गई शिंक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री तारा चन्द की मुक्लिंग 300/-रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हिरयाणा सरकार की पिर्धिस्चना कमांक 610-ज-(2)-22/15333, दिनांक 3 मई, 1982 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमित अनचाही के नाम खारीफ 83 से 300/- रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते करते हैं।

कमांक 1044-ज-(2)-85/31309. —श्री दिशान सिंह, पुत्र श्री लखी, राम]गांव विसाहन, तहसील झज्जर, जिला रोहतक की दिनांक 11 जुलाई, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हिरयाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्राधिनियम, 1948 (जैसा कि विसे हिरयाणा राज्य में ग्रानाया गया हैं ग्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रवीन प्रदान को गई शक्तिशों का प्रयोग करते हुए श्री दिवान सिंह की मृिल्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रिधस्वना क्रमांक 2441-ज-(2)-76/2830, दिनांक 31 जनवरी, 1977 तथा 1789-जे-(1)-79/44040, दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, ग्रब उसकी विधवा श्रीमती गिन्दों की नाम रबी 1985 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तगैत प्रदान करते हैं।